यूनिवर्सिटी इस्टीट्यूट आफ हेल्थ सांइसेस
ANNUAL PROGRESS REPORT

दिनांक 08 अप्रैल, 2019

यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर व **जवाहर लाल रोहतगी अस्पताल,** सर्वोदय नगर द्वारा **Functional Movement Analysis & Treatment Strategy** पर एक दो दिवसीय कार्यशाला संस्थान के कांफ्रेस हाल में आयोजित की गयी। इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की कुलपति **प्रो0 नीलिमा गुप्ता,** विशिष्ट अतिथि–**डा0 विनोद कुमार सिंह**, कुलसचिव, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, रिसोर्स परसन **डा0 धर्म पी0 पाण्डेय**, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, फिजियोथिरैपी विभाग, बी0एल0के0 सुपरस्पेशसियलिटी हास्पिटल, नई दिल्ली**, डा0 शगुन अग्रवाल**, विभागाध्यक्ष, फिजियोथिरैपी विभाग, इंस्टीट्यूट आफ एप्लाइड मेडिसिन एवं रिसर्च, नई दिल्ली, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के कोआर्डिनेटर **डा0 प्रवीन कटियार**, कार्यशाला की आयोजन सचिव, **श्रीमती नेहा शुक्ला व श्री अमित शुक्ला** द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

मुख्य अतिथि **प्रो0 नीलिमा गुप्ता,** कुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में फिजियोथिरैपी में अत्यधिक अपग्रेडशन हो रहा है। इस प्रकार की कार्यशालाओं से विद्यार्थी फिजियोथिरैपी से संबंधित आधुनिकतम ज्ञान प्राप्त कर कुशल फिजियोथिरैपिस्ट बन सकेंगे।

विशिष्ट अतिथि **डा0 विनोद कुमार सिंह**, कुल सचिव, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर ने अपने वक्तव्य में कहा कि सभी विद्यार्थी मन लगाकर कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करें।

रिसोर्स परसन **डा0 धर्म पी. पाण्डेय,** निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, फिजियोथिरैपी विभाग, बी0एल0के0 सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल, नई दिल्ली ने विद्यार्थियों को बताया कि Functional Movement Analysis & Treatment Strategy (FMATS) वर्तमान समय में अत्याधुनिक फिजियोथिरैपी विधि है जिसके द्वारा जोड़ों एवं मांशपेशियों की कार्य प्रणाली का वैज्ञानिक विधि द्वारा परीक्षण किया जाता है। इस विधि के माध्यम से विभिन्न हड्डी रोगों, न्यूरोलाजिकल रोगों, स्पोर्ट्स इंजरी इत्यादि का मैनेजमेंट किया जाता है। इस विधि में मैनुअल थिरैपी, टेपिंग व मैनीपुलैटिव तकनीकी का प्रयोग किया जाता है।

इस कार्यशाला में **यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस, रामा युनिवर्सिटी, जवाहर लाल रोहतगी हास्पिटल** के फिजियोथिरैपी के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के कोआर्डिनेटर **डा0 प्रवीन कटियार** ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन वर्कशाप की आयोजन सचिव **श्रीमती नेहा शुक्ला** ने किया। **श्री अमित शुक्ला** ने कार्यशाला के विभिन्न सेशन्स का संयोजन किया।

इस अवसर पर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के शिक्षक श्री **चन्द्रशेखर कुमार, श्री दिग्विजय शर्मा, डा0 मुनीश रस्तोगी, डा0 के0के0 पाण्डेय, डा0 वीरेन्द्र निगम, कु0 लक्ष्मी,** इंस्टीट्यूट आफ होटल मैनेजमेंट **के प्रभारी डा0 विवेक सिंह सचान, शिवम, मंजीत, देवेन्द्र इत्यादि** उपस्थित थे।

21. दिनांक 28 मई, 2019

यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कांफ्रेस हाल में **संस्थान व मैपल बियर कनेडियन स्कूल, लखनपुर, कानपुर द्वारा** "**Build Healthy Relationship with Children**" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। **इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि** विश्वविद्यालय की कुलपति **प्रो0 नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि** विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डा0 विनोद कुमार सिंह**, मुख्य वक्ता **श्रीमती रेखा श्रीवास्तव,** सीनियर ट्रेनर, मैपल बियर कनेडियन स्कूल, साउथ एशिया, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के कोआर्डिनेटर **डा0 प्रवीन कटियार** व **सुश्री अमन पटेल,** डायरेक्टर, मैपल बियर कनेडियन स्कूल, लखनपुर कानपुर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो0 नीलिमा गुप्ता** ने अपने उद्बोधन में कहा कि माता–पिता को प्रारम्भ से ही बच्चों से प्यार करना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें बच्चों से Bonding बनाना जरूरी है। इसके साथ ही साथ बच्चों के उचित विकास के लिए माता–पिता अपने समय, अपनी इच्छाओं व सुविधाओं का त्याग भी करते हैं। माता–पिता को बच्चों की भावनाएं जानना अत्यंत आवश्यक है। बच्चों पर माता–पिता अपनी इच्छाओं को थोपने की कोशिश न करें।

विशिष्ट अतिथि **डा0 विनोद कुमार सिंह,** कुल सचिव, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि माता–पिता भी कभी न कभी बच्चे रहे होते हैं। यह एक साइकलिक प्रोसेस है जो व्यक्ति आज माता–पिता है वह कल बच्चा था और जो कल माता–पिता बनेगा वह आज बच्चा है। अतः माता–पिता को अपने बच्चों से बड़ा ही संतुलित और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाकर रहना चाहिए और बच्चों को भी अपने माता–पिता/अभिभावकों का आदर करना सीखना चाहिए।

कार्यशाला की मुख्य वक्ता **श्रीमती रेखा श्रीवास्तव**, सीनियर ट्रेनर, मैपर बियर कनेडियन स्कूल साउथ एशिया ने अपने वक्तव्य में बताया कि

1. माता–पिता/अभिभावकों को बच्चों की सोच के अनुरूप कार्य करना चाहिए।
2. माता–पिता को ओवर प्रोटेक्टिव नहीं होना चाहिए। अपने निर्णय, अपने विचार बच्चों पर न थोपें।
3. निर्णय लेने में बच्चों की राय अवश्य लें और उनको अपने निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करें। पूवे विश्व में देखा गया है कि माता–पिता का एक फिक्स्ड माइंड सेट होता है उसके अनुसार ही वह अपने बच्चों से व्यवहार करते हैं जबकि माता–पिता का ग्रोथ ओरियंटेड माइंड सेट होना चाहिए और बदलते परिवेश के अनुसार अपने बच्चों से वार्तालाप/व्यवहार करना चाहिए।
4. अधिकतर माता–पिता अपने बच्चों को जीवन में कुछ न कुछ बनने का टारगेट दे देते हैं। उसमें सफल न होने पर बच्चा अपने आत्मविश्वास को खो देता है और नकारात्मक विचारों से ग्रस्त हो जाता है।
5. माता–पिता को अपने बच्चों से यह अवश्य पूछना होगा कि वह जीवन में क्या करना चाहते हैं और उनकी च्वाइस क्या है और उसी के अनुसार उन्हें कार्य करने देना होगा।

मैपल वियर कनेडियन स्कूल, लखनपुर कानपुर की निदेशक **सुश्री अमन पटेल** ने बताया कि मैपल वेयर कनेडियन स्कूल विश्व में 20 से अधिक देशों में अपनी सेवाएं दे रहा है। भारतवर्ष में इसकी 45 शहरों में शाखाएं हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे के 10 वर्ष उसके फाउण्डेशन इयर्स होते हैं, जिसमें कि उसके विकास के लिए आवश्यक सभी चीजें सिखायी जा सकती हैं बतायी जा सकती हैं। इन 10 वर्षों में अभिभावकों को अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देना होता है। अभिभावक पढ़ाई के साथ–साथ अपने बच्चों में बेसिक स्किल डेवलपमेंट अवश्य कराएं।

इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक **डा0 विवेक सिंह सचान, डा0 रवीन्द्र नाथ, डा0 बृजेश कटियार, डा0 रश्मि गोरे, डा0 अनिल कुमार त्रिपाठी** तथा अन्य शिक्षकगण व कर्मचारीगण, **श्री जैकब वर्गीस, श्री अनुराग मिश्रा** व कुछ बच्चों के माता–पिता भी उपस्थित थे।

3. <u>दिनांक 20.08.2019, एस.एम.ई.टी. वर्कशाप</u>

एस.एम.ई.टी. वर्कशाप के दूसरे दिन **भारत वर्ष के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के योग गुरू व स्वाम विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान, बेंगलूरू के कुलाधिपति व पद्मश्री सम्मान से सम्मानित डॉ0 एच0आर0 नागेन्द्र जी** प्रतिभागियों को तनाव से बचने के संबंध में बताया कि SMET (Self Management of Excessive Tension) की प्रैक्टि करने पर व्यक्ति स्मरण क्षमता व एकाग्रता को बढ़ा सकते हैं तथा तनाव से बच सकते हैं। उन्होंने बताया कि एस.एम.ई.टी में साइकिलिक मेडिटेसन (आवर्तन ध्यान) में तीन तरह का रिलेक्शेसन होता है।

1. Instant Relaxation Technique (IRT)
2. Quick Relaxation Technique (QRT)
3. Deep Relaxation Technique (IRT)

और इसमें अद्धकटी चक्रासन, उष्ट्रासन, बज्रासन, शंकासन भी किये जाते हैं। साइकलिक मेडिटेसन का सिद्धान्त माण्डुक उपनिषद से है जिसमें कि स्टीमुलेशन फालोड बाय रिलक्सेशन, रिलेक्सेशन की तीव्रता को बढ़ाता है। साइकलिक मेडीटेशन बंद आंखों से शांतिपूर्ण वातावरण में शरीर व मस्तिष्क की सम्पूर्ण जागरूकता वाली अवस्था में किया जान चाहिए। IRT, QRT, DRT दिन में किसी भी समय की जा सकती हैं। कार्य के दौरान यह टेक्नीक्स कुर्सी पर बैठकर भी क सकते हैं। आई.आर.टी. प्रत्येक दो घण्टे बाद, क्यू.आर.टी. प्रत्येक 5 घण्टे बाद व डी.आर.टी. दिन में दो बार की जा सकत है। **डा0 एच0आर0 नागेन्द्र जी के साथ डा0 रबिन्द्र मोहन आचार्य व डा0 काशीनाथ जी मेत्री** ने प्रतिभागियों को एस.एम.इ टी का प्रशिक्षण दिया।

इस वर्कशाप का समापन समारोह सायं 5 बजे आयोजित किया गया। इस समापन समारोह में विश्वविद्यालय कुलसचिव **डा0 विनोद कुमार सिंह** ने कार्यशाला के विषय में बताया तथा अतिथियों का स्वागत किया।

डा0 रबिन्द्र मोहन आचार्य, नेशनल कोआर्डिनेटर, एस.एम.ई.टी. तथा डा0 काशीनाथ जी मेत्री, एसो0 प्रोफेसर, योग एवं लाइफ साइंस विभाग स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान, बेंगलूरू ने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में हुए अपने अनुभवों को साझा किया।

समापन समारोह में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर व स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान, बेंगलूरू (डीम्ड विश्वविद्यालय) के मध्य मेमोरैण्डम आफ अण्डरस्टैण्डिंग, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 नीलिमा गुप्ता व स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान, बेंगलूरू के कुलाधिपति डॉ0 एच0आर0 नागेन्द्र जी ने एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किये।

डा0 एच0आर0 नागेन्द्र जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने बड़ा ही अच्छा कार्य योग केन्द्र को स्थापित कर दिया है। एम0ओ0यू0 हो जाने से उत्तर व दक्षिण को मिला दिया गया है। एम0ओ0यू0 के माध्यम से समाज में तनाव, डायबिटीज, कैंसर आदि चुनौतियों को योग के द्वारा समाप्त किया जा सकता है। इस एम0ओ0यू0 के हो जाने से पैरामेडिकल स्टाफ अन्य सर्पोटिंग स्टाफ को योग की ट्रेनिंग दी जा सकती है। डायबिटीज व कैंसर जैसी बीमारियों से बचाव के लिए समेकित प्रयास किया जा सकता है। उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी जी ने 100 विधान सभाओं में योग का प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया है। पूरे देश में 1 लाख 50 हजार वेलनेस सेंटर बनने हैं जिसमें कि 20 हजार यू0पी0 में होंगे। वेलनेस सेंटर में योग थिरैपी को जोड़ना आवश्यक है। योग थिरैपी के माध्यम से स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न चुनौतियों को समाप्त किया जा सकता है। साथ ही साथ पंजाब में जो ड्रग्स एडीक्शन बढ़ा है उसको भी कम किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय की **कुलपति प्रो0 नीलिमा गुप्ता** ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि अच्छे मार्गदर्शन से व्यक्ति अच्छा नागरिक बन सकता है। योग एक यूनिक क्रिया है जो भारत वर्ष में है। East बहुत रिच है और मेरे ख्याल से East यूनिक है। एम0ओ0यू0 के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय साथ में मिलकर कार्य करेंगे। लर्नर सपोर्ट सेंटर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कालेजों में प्रारम्भ करने के लिए पत्र लिखा जायेगा और जो महाविद्यालय लर्निंग सर्पोट सेंटर खोलने के लिए इच्छुक होगा उसमें यह सेंटर खोला जायेगा। योग व उसके जुड़े हुए कार्यों में विश्वविद्यालय हमेशा अपना सहयोग करेगा।

समापन कार्यक्रम में कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले 50 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिये गए।

धन्यवाद ज्ञापन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के कोआर्डिनेटर **डा0 प्रवीन कटियार** द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी **प्रो0 संजय स्वर्णकार**, सह मीडिया प्रभारी **डा0 विवेक सिंह सचान, डा0 ओम प्रकाश आनंद, डा0 संदीप सिंह, श्री चन्द्रशेखर कुमार, श्रीमती नेहा शुक्ला, डॉ0 भारती दीक्षित, श्री अजीत श्रीवास्तव, डॉ0 राजीव शर्मा, श्री धनराज, श्री आशीष शर्मा, डा0 शास्वत कटियार व कु0 सोनाली** आदि उपस्थित थे।

14. 08, 09 व 10 नवम्बर, 2019, वेलेनेसकान–2019

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में दिनांक **08, 09 एवं 10 नवम्बर, 2019** को यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस एवं प्रयत्न संस्था द्वारा वेलनेस पर अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेस में सम्पूर्ण स्वास्थ्य से संबंधित निम्नलिखित थीम पर व्याख्यान हुए–

- Herbal Products
- Diagnostic Approaches
- Stress Management
- Environment Management
- Healthy Life Style & Yoga
- Time Management
- Wealth Management
- Pollution Management
- Proper Nutrient Intake
- Personal Hygiene
- Physiotherapy
- Preventive Strategies for health
- Spiritual Management

- Management of Climatic Changes & Global Warming

उपरोक्त थीम के माध्यम से सम्पूर्ण स्वास्थ्य एवं उत्तम जीवन जीने के संबंध में वक्ताओं ने अपने विचार एवं शोध प्रस्तत किए। सम्पूर्ण स्वास्थ्य से तात्पर्य है कि व्यक्ति मानसिक, शारीरिक व अध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहे एवं वह स्वस्थ पर्यावरण में अपना जीवन–यापन करे। बीमारियों से बचाव करना सम्पूर्ण स्वास्थ्य का प्रथम सोपान है। **इस कांफ्रेस में 45 प्रतिष्ठित वक्ताओं, 35 प्रोग्राम डायरेक्टर, 82 चेयरपरसन और देश–विदेश के 861 प्रतिभागियों व आयोजन समिति के सदस्यों को मिलाकर 1100 से अधिक व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया। इस कांफ्रेस को उ0प्र0 मेडिकल काउंसिल द्वारा 12 Accreditation Hours प्रदान किये गये।**

इस कांफ्रेस का उद्घाटन दिनांक 08 नवम्बर, 2019 को हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे–पी.जी. आई. चण्डीगढ़ के पूर्व निदेशक व भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण से सम्मानित प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो0 के0के0 तलवार। कांफ्रेस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो0 के0के0 तलवार, कांफ्रेस की मुख्य संरक्षक व विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 नीलिमा गुप्ता, कांफ्रेस के चेयरपरसन डा0 ए0एस0 प्रसाद, प्रयत्न संस्था के अध्यक्ष प्रो0 एस0पी0 सिंह, कांफ्रेस के संयोजक डा0 प्रवीन कटियार व विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डा0 विनोद कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

इस कांफ्रेस में देश व विदेश के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। विदेश से व्याख्यान देने वालों में –**प्रो0 गुण्डू एच0आर0 राव, अमेरिका, प्रो0 सईद आई. शैलेबी, इजिप्ट, प्रो0 थीसान बहरून, मारीशस, प्रो0 हरी एस. शर्मा, नीदरलैण्ड, प्रो0 दिलीप कुमार झा, नेपाल** थे। देश के विभिन्न भागों से प्रतिष्ठित वक्ताओं ने वेलनेस से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिये, जिनमें प्रमुख थे–**प्रो0 के0के0 तलवार, पद्मभूषण, डा0 मोहसिन वली, पद्मश्री, प्रो0 वीना टण्डन, पद्मश्री, प्रो0 जे0एम0 हंस, पद्मश्री, डा0 पूर्णिमा कृष्णमूर्ति, मैसरू, प्रो0 अशोक कुमार, कुलपति, श्री कल्लाजी वेदिक विश्वविद्यालय, राजस्थान, प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट, कुलपति, किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, श्री हिमाद्री सिन्हा, गुजराज, श्री रमन नय्यर, पंजाब, प्रो0 संजय गुप्ता, वाराणसी, प्रो0 जे0के0 मनियार, अध्यक्ष, एच.आई.वी. वेलफेयर सोसाइटी, मुम्बई, प्रो0 अरविन्द कुमार, नई दिल्ली, प्रो0 आरती लाल चंदानी, प्रधानाचार्य, जी0एस0वी0एम0 मेडिकल कालेज, कानपुर, प्रो0 सूर्यकांत, के0जी0एम0यू0 लखनऊ, डा0 संजीव गुलाटी, नई दिल्ली, प्रो0 राकेश कुमार दीक्षित, के0जी0एम0यू0 लखनऊ, डा0 वी0पी0 गुप्ता, नई दिल्ली, प्रो0 श्रृद्धा सिंह, के0जी0एम0यू0 लखनऊ, प्रो0 बी0एन0 पाण्डेय, गया, बिहार, प्रो0 डी0के0 गुप्ता, बरेली, डा0 आर0सी0 गुप्ता, मुरादाबाद, प्रो0 दिनेश कुमार सक्सेना, प्रो0 अंजुली अग्रवाल, उत्तराखण्ड, प्रो0 सुनील प्रकाश त्रिवेदी, लखनऊ, प्रो0 संदीप मल्होत्रा, प्रयागराज, प्रो0 यू0सी0 श्रीवास्तव, प्रयागराज, प्रो0 कुलदीप कृष्ण शर्मा, जम्मू, प्रो0 जगवीर सिंह कीर्ति, पंजाब, डा0 नीलू जैन गुप्ता, मेरठ, डा0 वी0के0 गौतम, नई दिल्ली, डा0 गौरव राज, लखनऊ, डा0 सरनजीत सिंह, लखनऊ, डा0 सूरज कुमार सैफई व डा0 अवध दुबे** आदि प्रमुख थे।

Day-01, 08 Nov., 2019

Day-02, 09 Nov., 2019

<u>Day 03, 10 November, 2019</u>

Wellness Con - 2019

इस कांफ्रेस हेतु **250** से अधिक शोध सार (Abstract) प्राप्त हुए और देश के विभिन्न भागों से आए हुए प्रतिभागियों ने अपने शोध से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किए व पोस्टर प्रजन्टेशन किया। ओरल व पोस्टर प्रजन्टेशन में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

कांफ्रेस का समापन दिनांक **10 नवम्बर, 2019** को हुआ। समापन समारोह की **मुख्य अतिथि थीं–उ0प्र0 सरकार की उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती नीलिमा कटियार।** समापन समारोह में कांफ्रेस की स्मारिका का विमोचन किया गया। साथ ही साथ ओरल व पोस्टर प्रजन्टेशन में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया एवं आयोजन समिति के सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये।

विभिन्न विषयों पर व्याख्यान देने वाले प्रतिष्ठित वक्ताओं, प्रोग्राम डायरेक्टर, चेयरपरसन व अतिथियों के उद्‌बोधन, विचार–विमर्श व शोधार्थियों के शोध से वेलनेस कांफ्रेस में सम्पूर्ण स्वास्थ्य के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्ष निकले :–

1. **सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए पर्यावरण का शुद्ध व स्वच्छ होना आवश्यक है। अतः प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण को शुद्ध व स्वच्छ रखने हेतु प्रयास करे। साथ ही साथ सरकार के स्तर पर भी इस हेतु कड़े कदम उठाये जाने की आवश्यकता है।**
2. **सम्पूर्ण स्वास्थ्य की अवधारण को जन–जन तक पहुंचाया जाये जिससे कि व्यक्ति सम्पूर्ण स्वस्थ्य रहकर समाज व देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।**
3. **वेलनेस (सम्पूर्ण स्वास्थ्य) के संबंध में शोध करने वाले शोधार्थियों को प्रोत्साहन दिया जाये।**
4. **वेलनेस के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए माध्यमिक विद्यालयों, उच्च शिक्षा के महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में गोष्ठिया, सेमिनार, वर्कशाप आदि आयोजित कराये जायें, जिससे कि विद्यार्थी वेलनेस के बारे में जान सकें और इस संबंध में प्रयास कर अपने को सम्पूर्ण स्वस्थ रख सकें।**
5. **यदि व्यक्ति वेलनेस की अवधारणा को अपनाता है तो वह रोगों से अपना बचाव भी करता है, अतः रोगों से बचाव हेतु जानकारी के लिए सरकार आवश्यक सहयोग दे और वेलनेस के लिए स्वास्थ्य विभाग व शिक्षा विभाग को निर्देशित करे जिससे कि वे इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें।**